पाठ -10
नए इलाके में
और
खुशबू रचते है हाथ

1)
इन नए बसते इलाकों में
जहाँ रोज़ बन रहे हैं नए-नए मकान
मैं अकसर रास्ता भूल जाता हूँ।

धोखा दे जाते हैं पुराने निशान
खोजता हूँ ताकता पीपल का पेड़
खोजता हूँ ढहा हुआ घर
और ज़मीन का खाली टुकड़ा जहाँ से बाएँ
मुड़ना था मुझे
फिर दो मकान बाद बिना रंगवाले लोहे के फाटक का
घर था इकमंज़िला

और मैं हर बार एक घर पीछे
चल देता हूँ
या दो घर आगे ठकमकाता

यहाँ रोज़ कुछ बन रहा है
रोज़ कुछ घट रहा है
यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं।

i. प्रस्तुत पद्यांश में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है**?**
(क) नए नए मकान बनने से
(ख) नए इलाके बसने से
(ग) कवि की स्मृति घट रही है
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर: (ख) नए इलाके बसने से

ii. "यहाँ रोज़ कुछ बन रहा है
रोज़ कुछ घट रहा है
यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं" यह पंक्ति कवि किसके लिए कह रहा है?
(क) स्वयं के लिए
(ख) नए इलाके के लिए
(ग) इस नई दुनिया के लिए
(घ) अपने गांव के लिए
उत्तर: (ख) नए इलाके के लिए

iii. प्रस्तुत पद्यांश में कवि को कौन धोखा दे जाता है**?**
(क) नई गलियां
(ख) पुराने निशान
(ग) एकमंजिला घर
(घ) ढहा हुआ घर
उत्तर: (ख) पुराने निशान

iv. प्रस्तुत पद्यांश में कवि किसको खोज रहा है**?**
(क) अपने परिवार को
(ख) ढहे हुए घर को
(ग) अपने नगर को
(घ) अपने घर को
उत्तर: (ख) ढहे हुए घर को

2)
एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है दुनिया
जैसे वसंत का गया पतझड़ को लौटा हूँ
जैसे बैसाख का गया भादों को लौटा हूँ
अब यही है उपाय कि हर दरवाज़ा खटखटाओ
और पूछो- क्या यही है वो घर?

समय बहुत कम है तुम्हारे पास
आ चला पानी ढहा आ रहा अकास
शायद पुकार ले कोई पहचाना ऊपर से देखकर।

i. एक दिन में कौन पुरानी पड़ जाती है**?**
(क) कवि का गांव
(ख) गलियां
(ग) इलाके
(घ) दुनिया
उत्तर: (घ) दुनिया

ii. निम्न पद्यांश में कवि किस ऋतु का वर्णन कर रहे हैं**?**
(क) सावन
(ख) कार्तिक
(ग) भादो
(घ) कुंवार
उत्तर: (ग) भादो

iii. निम्न पद्यांश में कवि किस मौसम का वर्णन कर रहे हैं**?**
(क) गर्मी
(ख) सर्दी
(ग) बारिश
(घ) बसंत
उत्तर: (घ) बसंत

iv. प्रस्तुत पद्यांश में "अकास" शब्द का क्या अर्थ है**?**
(क) आसमान
(ख) मौसम
(ग) दिन
(घ) रात
उत्तर: (क) आसमान

3)
उभरी नसोंवाले हाथ
घिसे नाखूनोंवाले हाथ
पीपल के पत्ते-से नए-नए हाथ
जूही की डाल-से खुशबूदार हाथ

गंदे कटे-पिटे हाथ
ज़ख्म से फटे हुए हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ।

यहीं इस गली में बनती हैं
मुल्क की मशहूर अगरबत्तियाँ
इन्हीं गंदे मुहल्लों के गंदे लोग
बनाते हैं केवड़ा गुलाब खस और रातरानी
अगरबत्तियाँ
दुनिया की सारी गंदगी के बीच
दुनिया की सारी खुशबू
रचते रहते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ।
i.कवि "उभरी नसोंवाले हाथ
घिसे नाखूनोंवाले हाथ" किसके लिए कहा है?
(क) अगरबत्तियां बनाने वालो के
(ख) खुद के
(ग) नए इलाके के
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर: (क) अगरबत्तियां बनाने वालो के

ii.प्रस्तुत पद्यांश में कवि किसकी बात कर रहे हैं**?**

(क) गंदे मोहल्लों की
(ख) गंदे लोगों के
(ग) केवड़ा गुलाब खस और रातरानी
अगरबत्तियों की
(घ) उपर्युक्त में से सब कुछ
उत्तर: (घ) उपर्युक्त में से सब कुछ

iii. केवड़ा गुलाब खस और रातरानी अगरबत्तियाँ कौन बनाता है**?**
(क) अमीर लोग
(ख) गरीब लोग
(ग) गंदे लोग
(घ) इंजीनियर
उत्तर: (ग) गंदे लोग

iv.खुश्बू से रचते हैं हाथ में कवि किसकी बात कर रहा**?**
(क) अगरबत्तियां बनाने वाले लोगों की
(ख) किसानों की
(ग) बागान मालिकों की
(घ) माली की
उत्तर: (क) अगरबत्तियां बनाने वाले लोगों की

बहुविकल्पीय प्रश्न और उत्तर **(Multiple Choice Questions)**

बहुविकल्पीय प्रश्न **(MCQs)** एक प्रकार का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन है जिसमें एक व्यक्ति को उपलब्ध विकल्पों की सूची में से एक या अधिक सही उत्तर चुनने के लिए कहा जाता है। एक एमसीक्यू कई संभावित उत्तरों के साथ एक प्रश्न प्रस्तुत करता है।
1 "खुशबू से रचते हैं हाथ" नामक कविता में कवि किसकी बात कर रहे हैं**?**
(क) गंदे मोहल्लों की
(ख) गंदे लोगों के
(ग) केवड़ा गुलाब खस और रातरानी अगरबत्तियों की
(घ) उपर्युक्त में से सब कुछ
उत्तर: (घ) उपर्युक्त में से सब कुछ

2. नए इलाके नामक कविता में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है?

(क) नए नए मकान बनने से
(ख) नए इलाके बसने से
(ग) कवि की स्मृति घट रही है
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर: (ख) नए इलाके बसने से

3. कवि ने खुशबू से रचते हैं हाथ में "उभरी नसोंवाले हाथ

घिसे नाखूनोंवाले हाथ" किसके लिए कहा है**?**
(क) अगरबत्तियां बनाने वालो के
(ख) खुद के
(ग) नए इलाके के
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर: (क) अगरबत्तियां बनाने वालो के

4. नए इलाके नामक कविता में कवि को कौन धोखा दे जाता है**?**

(क) नई गलियां
(ख) पुराने निशान
(ग) एकमंजिला घर
(घ) ढहा हुआ घर
उत्तर: (ख) पुराने निशान

5. नए इलाके नामक कविता में एक दिन में कौन पुरानी पड़ जाती है**?**

(क) कवि का गांव
(ख) गलियां
(ग) इलाके
(घ) दुनिया
उत्तर: (घ) दुनिया

6. "नए इलाके में" नामक कविता में नए-नए मकान कहां बन रहे हैं?

(क) कवि के गांव में
(ख) नए इलाके में
(ग) कवि के मोहल्ले में
(घ) अगरबत्तियां बनाने वाली टोली में
उत्तर: (ख) नए इलाके में

7. "नए इलाके में" आने पर कवि किसको खोजता है?

(क) ताकते पीपल के पेड़ को
(ख) अपने परिवार को
(ग) अपने घर को
(घ) अपने इलाके को
उत्तर: (क) ताकते पीपल के पेड़ को

8. "खुश्बू से रचते हैं हाथ" में केवड़ा गुलाब खस और रातरानी अगरबत्तियाँ कौन बनाता है?

(क) अमीर लोग
(ख) गरीब लोग
(ग) गंदे लोग
(घ) इंजीनियर
उत्तर: (ग) गंदे लोग

9. "खुश्बू रचते हैं हाथ" में कवि किसकी बात कर रहा है?

(क) अगरबत्तियां बनाने वाले लोगों की
(ख) किसानों की
(ग) बागान मालिकों की
(घ) माली की
उत्तर: (क) अगरबत्तियां बनाने वाले लोगों की

१०."यहाँ रोज़ कुछ बन रहा है

रोज़ कुछ घट रहा है
यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं" यह पंक्ति कवि किसके लिए कह रहा है?
(क) स्वयं के लिए
(ख) नए इलाके के लिए
(ग) इस नई दुनिया के लिए
(घ) अपने गांव के लिए
उत्तर: (ख) नए इलाके के लिए

11 "जैसे वसंत का गया पतझड़ को लौटा हूँ" कवि किसके लिए कह रहा है?

(क) मनुष्य के लिए
(ख) नए आगंतुक के लिए
(ग) एक पक्षी के लिए
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर: (क) मनुष्य के लिए

12. "गंदे कटे-पिटे हाथ ज़ख्म से फटे हुए हाथ" कवि किसके लिए कह रहा है?

(क) मुल्क की मशहूर अगरबत्ती या बनाने वालों के लिए
(ख) मजदूरों के लिए
(ग) एक पिता के लिए
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर: (क) मुल्क की मशहूर अगरबत्ती या बनाने वालों के लिए

13. "समय बहुत कम है तुम्हारे पास", कवि किसके लिए कह रहा है?

(क) मनुष्य के लिए
(ख) नए आगंतुक के लिए
(ग) एक पक्षी के लिए
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर: (क) मनुष्य के लिए

14. "ताकता पीपल का पेड़" कौन खोजता है?

(क) काफी समय बाद परदेश से लौटा आदमी
(ख) नया आगंतुक
(ग) एक पक्षी
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर: (क) काफी समय बाद परदेश से लौटा आदमी

15. खुशबू रचते हाथ में कवि ने निम्न में से किस अगरबत्ती का वर्णन किया है?

(क) केवड़ा
(ख) गेंदा
(ग) गुलमोहर
(घ) कमल
उत्तर: (क) केवड़ा

प्रश्न और उत्तर **Questions Answers**

1. कवि बदलती हुई दुनिया को जानने के लिए कौन सा उपाय बताते हैं?

उत्तर: कवि बदलती हुई दुनिया को जानने के लिए उपाय बताते हुए कहते हैं कि अब हर दरवाजा खटखटाना पड़ेगा और पूछना पड़ेगा कि क्या यह वही घर है?

2. कवि नए इलाके में पहुंचने के बाद क्या खोज रहा है?

उत्तर: कवि ने इलाके में पहुंचने के बाद उस ताकते हुए पीपल के पेड़ को ढहे हुए घर को और उस जमीन के खाले टुकड़े को ढूंढते हैं जहां से उनको बाय मुड़ना था और बाएं मुड़ने के बाद उनको दो मकान बाद एक बिना रंग वाले लोहे के फाटक का एक मंजिला घर मिलता है।

3. कवि खुशबू से रचते हैं हाथ नामक कविता में किसका वर्णन कर रहे हैं?

उत्तर: कवि खुशबू से रचते हैं हाथ नामक कविता में देश की मशहूर अगरबत्तियां बनाने वाले लोगों की एक टोली की बात कर रहे हैं।

4. कवि खुशबू से रचते हैं हाथ नामक कविता में किस-किस अगरबत्तियां की बात कर रहे है?

उत्तर: कवि खुशबू से रचते हैं हाथ नामक कविता में जूही, केवड़ा, गुलाब, खस और रातरानी अगरबत्तियां की बात कर रहे है।

5. कवि "खुशबू रचते हैं हाथ" नामक कविता में अगरबत्तियां बनाने वालो का किस प्रकार वर्णन कर रहे हैं?

उत्तर: कवि "खुशबू से रचते हैं हाथ" नामक कविता में अगरबत्तियां बनाने वालो का वर्णन करते हुए कहते हैं कि इन अगरबत्तियां बनाने वालो का हाथ उभरी हुई नसों से युक्त है और इनके नाखून घिसे हुए हैं।

इनके गंदे-गंदे कटे फटे हाथ और जख्म से भरे हुए हाथ हैं। इनके हाथों में पीपल के पत्ते लगे हुए हैं और जूही की डाल से इनके हाथ सुगंधित हो रहे हैं।

6. नए इलाके कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए?

उत्तर: कवि बता रहे हैं कि दिन-प्रतिदिन दुनिया बदलती जा रही है जहां पहले पीपल का पेड़ था ढहा हुआ घर था और जमीन का खाली टुकड़ा था, वहां आज नए नए मकान बन रहे हैं कि आज वह गली पहचानना भी मुश्किल हो गया है। इंसान रोज करो जो बदल रहा है और अब तो अपनों से भी ये पूछना पड़ रहा है कि क्या तुम वही इंसान हो?

7. खुशबू रचते हाथ का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए?

उत्तर: कवि बता रहे हैं कि कुछ दूर आगे चलने पर उनको एक गली दिखाई दे जहां पर लोगों के हाथ कटे फटे थे, उनके नाखून घिसे हुए थे और नसें दिख रही थी। ये वही लोग हैं तो भारत की सबसे सुगंधित अगरबत्तियां बनाते हैं।